लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

SHRI P. A. SANGMA REMEMBERED IN CENTRAL HALL OF PARLIAMENT HOUSE/संसद भवन के सेंट्रल हॉल में याद कए गए श्री पी ए संगमा

…

New Delhi, 01 September 2022: Deputy Chairman of Rajya Sabha Shri Harivansh paid floral tributes to former Speaker of Lok Sabha, Shri PA Sangma at his portrait in the Central Hall of Parliament House on his Birth Anniversary, today. Senior officers of Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats also paid tributes.

An exhibition of books by and on Shri PA Sangma, available in the Parliament Library, was set up in the Central Hall of Parliament House. A booklet containing the profile of Shri P. A. Sangma, brought out in Hindi and English by the Lok Sabha Secretariat, was also presented to the dignitaries.

Born on 1 September 1947 in village Chapahati in the West Garo Hills District of Meghalaya, Shri Sangma was a man of many parts, having been, in the course of his career, a lecturer, a lawyer and a journalist before he joined politics.

On 23 May 1996, he was unanimously elected the Speaker of the Eleventh Lok Sabha winning support across all political parties. As the Speaker, Shri Sangma ensured that rules were observed by the members even in the midst of stormy debates. Parliamentary democracy, he observed, meant free debate, objective deliberations and healthy criticism and it was for the Speaker to ensure that these objectives were achieved. Besides nine terms in Lok Sabha, Shri Sangma also served in the Union Cabinet in important ministries like Home Affairs, Commerce, Industry, Labour, Information & Broadcasting and Coal. Shri Sangma passed away on 4 March 2016.

नई दिल्ली, 01 सतंबर 2022: राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश ने आज लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री पी ए संगमा की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चत्र पर श्रद्धासुमन अ र्पत कए। इस अवसर पर लोक सभा और राज्य सभा स चवालय के वरिष्ठ अ धकारियों ने भी श्रद्धांज ल दी।

श्री पी ए संगमा द्वारा लखी गई और उनसे संबं धत संसद ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों की प्रदर्शनी संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में लगाई गई। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले व शष्ठजनो को लोक सभा स चवालय द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रका शत श्री पी ए संगमा के जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भी भेंट की गई।

1 सतंबर 1947, को मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले के चपाहाती गांव में जन्मे श्री संगमा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और राजनीति में आने से पहले में प्राध्यापक, अ धवक्ता और पत्रकार के रूप में कार्य कर चुके थे। 23 मई 1996 को सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों ने उन्हें सर्वसम्मति से 11वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना।

अध्यक्ष के रूप में उन्होंने यह सुनिश्चित कया क वाद ववाद के उत्तेजना पूर्ण क्षणों के दौरान भी सदस्य नियमों का पालन करें। उनका मानना था क संसदीय लोकतंत्र का अर्थ है स्वतंत्र वाद ववाद , निष्पक्ष वचार- वमर्श तथा स्वस्थ आलोचना और अध्यक्ष के रूप में उन्हें यह सुनिश्चित करना था क यह उद्देश्य पूरे हो। लोक सभा में 9 बार निर्वा चत होने के अलावा श्री संगमा ने गृह, वा णज्य, उद्योग, श्रम, सूचना और प्रसारण और कोयला जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों में केंद्रीय मंत्री का पदभार भी संभाला। श्री संगमा का निधन 4 मार्च 2016 को हो गया।